समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

सोने की बढ़ती कीमतों ने बदली शादियों की परंपरा, 2025 मे भारतीय परिवार अपना रहे नए विकल्प

Sanket Morankar Published on 12 Sep 2025

भारतीय शादियों की रौनक सोने के बिना अधूरी मानी जाती है। लेकिन **2025 मे सोने की आसमान छूती कीमतों** ने इस परंपरा को नया मोड़ दे दिया है। जहां पहले परिवार दुल्हन को भारी भरकम सोने के गहनों से सजाते थे, वहीं अब rising gold prices के चलते लोग **नए विकल्प** अपनाने लगे हैं।

🔹 सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल

- विशेषज्ञों के मुताबिक, 2025 में सोने की कीमत 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है।
- यह अब तक का ऐतिहासिक स्तर है, जिसने आम परिवारों के बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है।
- शादी जैसे बड़े अवसर पर सोने की खपत पारंपरिक रूप से अधिक रहती है, लेकिन महंगाई ने स्थिति बदल दी है।

🔹 बदलते ट्रेंड और नए विकल्प

- सोने की जगह अब **डायमंड, प्लैटिनम और सिल्वर ज्वेलरी** लोकप्रिय हो रही है।
- कुछ परिवार **गोल्ड-प्लेटेड और आर्टिफिशियल ज्वेलरी** का सहारा ले रहे हैं।
- दुल्हनों के बीच *minimalist jewellery trend* का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है।

🔹 परंपरा और आधुनिकता का संगम

- विशेषज्ञों का मानना है कि शादी की परंपराएं अब **व्यावहारिक दृष्टिकोण** के साथ नई दिशा ले रही हैं।

- कई परिवार अपने बजट को संतुलित करने के लिए सोने पर खर्च घटाकर **घर, कार या निवेश योजनाओं** पर ध्यान दे रहे हैं।
- इस बदलाव को “परंपरा और आधुनिकता का संगम” कहा जा रहा है।

? ज्वेलरी मार्केट की रणनीति

- सोने की बढ़ती कीमतों ने ज्वेलरी इंडस्ट्री को भी रणनीति बदलने पर मजबूर किया है।
- कंपनियां अब **EMI विकल्प, गोल्ड सेविंग स्कीम्स** और हल्के वजन वाले डिज़ाइन पेश कर रही हैं।
- डिजिटल गोल्ड और ई-ज्वेलरी प्लेटफ़ॉर्म पर भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है।

? शादियों का बदलता स्वरूप

- पहले जहां शादी में सोने के गहनों का दिखावा स्टेटस सिंबल माना जाता था, वहीं अब परिवार practicality को महत्व दे रहे हैं।
- युवा पीढ़ी अपनी शादी को *intimate & personalized* बनाने पर जोर दे रही है।
- दुल्हनें अब *unique style statement* अपनाकर **कस्टमाइज्ड और हल्के गहनों** की ओर बढ़ रही हैं।

? आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

- सोने की मांग में गिरावट से आयात पर भी असर देखा जा रहा है।
- अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर यही ट्रेंड जारी रहा तो भारत के **सोना आयात बिल** में गिरावट हो सकती है।
- सामाजिक स्तर पर यह बदलाव दिखाता है कि भारतीय समाज परंपरा निभाते हुए भी **बदलाव के लिए तैयार** है।

2025 की भारतीय शादियाँ इस बात की गवाह हैं कि कैसे सोने की बढ़ती कीमतों ने परंपराओं को बदलने पर मजबूर किया है। अब शादी का फोकस सिर्फ सोने के गहनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह प्रेम, व्यक्तिगत स्टाइल और भविष्य की सुरक्षा के नए विकल्पों तक पहुंच गया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.